INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

SSC – CHSL

Tier – 1 & 2

STAFF SELECTION COMMISSION



भाग – 2

सामान्य जागरूकता (G.K.)

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**SSC CHSL (COMBINED HIGHER SECONDARY LEVEL)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **कर्मचारी चयन आयोग (SSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**SSC CHSL (COMBINED HIGHER SECONDARY LEVEL)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - **https://wa.link/m048u8**

Online order करें - **https://cutt.ly/g0O6SHh**

मूल्य :	**संस्करण : नवीनतम**

भारत का भूगोल		
क्र.सं.	अध्याय	पेज नं.
1.	सामान्य परिचय	1
2.	भौतिक विभाजन	3
3.	नदियाँ एवं झीलें	8
4.	जलवायु	13
5.	कृषि	14
6.	मृदा / मिट्टी	20
7.	प्राकृतिक वनस्पतियाँ	22
8.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	24
9.	उद्योग	27
10.	परिवहन तंत्र	31
	विश्व भूगोल	35-66
	• ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	
	• महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान	
	• प्रमुख उद्योग	
	• एशिया की प्रमुख नदियां, जल संधियां व झीलें, मरुस्थल व मैदान	
	• अफ्रीका की प्रमुख नदियां, मुख पर्वत एवं पठार	
	• उत्तरी अमेरिका की महत्वपूर्ण नदियाँ, झीलें, जलसंधि	
	• दक्षिण अमेरिका की महत्त्वपूर्ण नदियाँ, प्रमुख झील, मरुस्थल व उच्चभूमियाँ	
	• यूरोपीय महाद्वीप की प्रमुख नदियां, झीलें, जलसंधि	
	• विश्व पर्वत (Mountains) एवं पठार	
	• विश्व के प्रमुख महासागर और सागर	

	प्राचीन भारत का इतिहास	
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	67
2.	वैदिक काल	70
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,	73
4.	महाजनपद काल	78
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	79
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	82
7.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	84
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिन्ध पर आक्रमण	86
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	88
3.	भक्ति एवं सूफी आंदोलन	97
4.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	100
5.	मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.)	102
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	110
2.	मराठा साम्राज्य	115
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	117
4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन	123
5.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन	127
6.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	130
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	135
	भारतीय संस्कृति	
1.	भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक	138
2.	भारतीय चित्रकला	140
3.	भारतीय नृत्य कलाएँ	142

4.	मुगलकालीन प्रमुख इमारतें	144
	संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	147
2.	संविधान सभा	150
3.	संविधान की विशेषताएं	152
4.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	154
5.	भारतीय नागरिकता	155
6.	मौलिक अधिकार	156
7.	नीति निदेशक तत्व	159
8.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	160
9.	भारतीय संसद (विधायिका)	164
10.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	169
11.	उच्चतम न्यायालय	170
12.	राज्य कार्यपालिका	172
13.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल	173
14.	उच्च न्यायालय	178
15.	पंचायती राज	181
16.	निर्वाचन आयोग	185
17.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	186
18.	नीति आयोग	187
19.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	188
20.	संविधान संशोधन	189
	अर्थशास्त्र भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ	190
2.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	191

3.	मुद्रा एवं बैंकिंग	192
4.	बजट एवं बजट निर्माण	195
5.	कर TAX (GST)	197
6.	केंद्र सरकार की योजनाएँ	198
7.	गरीबी एवं बेरोजगारी	203
	• विविध	206

भारत का भूगोल

अध्याय – I

सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/15, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में s दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा पॉइंट (ग्रेट निकोबार में है)।

भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है। कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों -बीच से गुजरती है।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
• दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा पॉइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) • उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) • पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) • पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) • मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

.

- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम ।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है ।

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
4. समुद्री तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

प्रमुख चैनल । जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैनलाखाड़ीस्ट्रेट**
इन्दिरा पॉइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
लघु अंडमान-निकोबार	10°चैनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैनल
भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान - निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र - शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य है।
- मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।
- भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं।
- पूर्वी घाट को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।
- पश्चिमी घाट को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।
- उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।]
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
- भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।
- भारत में राष्ट्रीय राज मार्ग की कुल लम्बाई 1,42,126 लगभग किमी. है।
- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 है जो बनारस से कन्याकुमारी तक जाता है (3,745 किमी.)।
- वर्ष 2020 में भारत में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 67,956 किमी थी जबकि रनिंग ट्रैक लम्बाई सहित यह 99,235 किमी है। यार्ड, साइडिंग आदि मिलाकर कुल मार्ग 1,26,366 किमी है।
- तिरुअनन्तपुरम एवं कोचीन (केरल) नगरों में मानसून की सर्वप्रथम वर्षा होती है।

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत-बांग्लादेश सीमा	4096 किमी.
भारत-चीन	3488 किमी.
भारत-पाक सीमा	3323 किमी.
भारत - नेपाल सीमा	1751 किमी.
भारत - म्यांमार सीमा	1643 किमी.
भारत - भूटान सीमा	699 किमी.
भारत – अफगानिस्तान	106 किमी. (वर्तमान में POK में स्थित है)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

भौतिक विभाजन

- भारत की स्थलाकृति को पांच भागों में बाँटा जा सकता है।
  - उत्तर भारत का पर्वतीय क्षेत्र
  - प्रायद्वीपीय पठार
  - मध्यवर्ती विशाल मैदान
  - तटवर्ती मैदान
  - द्वीप समूह

- **पर्वत**

I. उत्तर भारत का विशाल पर्वतीय क्षेत्र

- यह विश्व की सर्वोच्च पर्वतीय स्थलाकृति है,जिसका विस्तार भारत के पश्चिम से लेकर पूर्व तक है।
- इस पर्वतीय श्रेणी को तीन भागों में बाँटा जा सकता हैं।
  1. ट्रांस हिमालय श्रेणी
  2. हिमालय पर्वत श्रेणी
  3. पूर्वांचल की पहाड़ियां

I. **ट्रांस हिमालय** का निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था इसके अन्तर्गत काराकोरम लद्दाख कैलाश व जास्कर श्रेणी आती है।

- इन श्रेणियों पर वनस्पति का अभाव पाया जाता है।

(A) काराकोरम श्रेणी – यह ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है।

- भारत की सबसे ऊंची चोटी k2 या गाडविन ऑस्टिन (8611 m) काराकोरम श्रेणी पर ही स्थित है।
  - यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
  - काराकोरम दर्रा एवं इंदिरा कॉल इसी दर्रा में स्थित है
  - काराकोरम दर्रा काराकोरम श्रृंखला पर स्थित कश्मीर को चीन से जोड़ने वाला संकीर्ण दर्रा है।
  - काराकोरम श्रृंखला पर भारत का सबसे लम्बा ग्लेशियर सियाचिन स्थित है ।
  - विश्व का सबसे ऊँचा सैनिक अड्डा (सियाचिन) यहीं अवस्थित है।
  - काराकोरम श्रेणी पर चार प्रमुख हिमनद (ग्लेशियर) स्थित हैं।
    - सियाचिन (72 km)
    - बाल्टोरों - (58km)
    - बीयाफो – 63 km
    - हिस्पर (61 Km)

(B) लद्दाख श्रेणी - विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी राकापोशी लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है।

- लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है। यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- यह भारत का न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र है।
- इसका सर्वोच्च शिखर माउंट कैलाश है।

(C) जास्कर श्रेणी - यह ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी है

- नंगा पर्वत इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।
- लद्दाख व जास्कर श्रेणीयों के बीच से ही सिन्धु नदी बहती है।

2. हिमालय पर्वत श्रेणी

I. **वृहत् या हिमाद्रि या महान हिमालय** - इसका विस्तार नंगा पर्वत से नामचा बरवा पर्वत तक धनुष की आकृति में फैला हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 2500 km तक है तथा औसत ऊँचाई 6100 मी॰ तक है। विश्व की सर्वाधिक ऊँची चोटियाँ इसी श्रेणी पर पाई जाती है जिसमें प्रमुख है-

- माउंट एवरेस्ट (8848 मी.) विश्व की सबसे ऊँची चोटी
- कंचनजंगा (8598 मी.)
- मकालू (8481 मी.)
- धौलागिरी (8172 मी.)
- अन्नपूर्णा (8076 मी.)
- नंदा देवी (7817 मी.)

- एवरेस्ट को पहले तिब्बत में 'चोमोलुगंमा'के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ 'पर्वतो की रानी'।
- हिमालय का निर्माण भारतीय सह – ऑस्ट्रलियाई प्लेट एवं यूरोशियाई प्लेट की अभिसरण प्रक्रिया से हुआ है।
- एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, नंगा पर्वत, नामचा बरवा इसके महत्त्वपूर्ण शिखर है।
- भारत में हिमालय की सर्वोच्च ऊँची चोटी कंचनजंगा यही स्थित है।
- यह विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है।

2. **लघु या मध्य हिमालय** – महान हिमालय के दक्षिण में तथा शिवालिक के उत्तर में इसका विस्तार है। इसकी सामान्य ऊँचाई 3700 से 4500 मी. है।

- इसके अन्तर्गत कई श्रेणियाँ पाई जाती हैं।
  - पीर पंजाल (जम्मू कश्मीर)
  - धौलाधार (हिमाचल प्रदेश)
  - नाग टिब्बा (उत्तराखंड)
  - कुमायूँ (उत्तराखंड)
  - महाभारत (नेपाल)
- **लघु हिमालय तथा महान हिमालय के बीच कई घाटियों का निर्माण हुआ है।**
  - कश्मीर की घाटी (जम्मू कश्मीर)
  - कुल्लू - काँगड़ा घाटी (हिमाचल प्रदेश)
  - काठमांडू घाटी (नेपाल)
- लघु हिमालय अपने स्वास्थ्यवर्धक पर्यटन स्थलों के लिए भी प्रसिद्ध है जिसके अन्तर्गत शामिल है –
- कुल्लू, मनाली, डलहौजी, धर्मशाला, शिमला (हिमाचल प्रदेश) अल्मोड़ा, मसूरी, चमोली (उत्तराखंड)

पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती है।

- सतलज नदी की सहायक नदियाँ है –सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और ज़ास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं। यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती है।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड का निर्माण करती है।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ है।

रावी नदी (परूष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है तथा चंबा घाटी से होकर बहती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है।

चिनाब नदी (अस्किनी)

- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी है।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उदगम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रूद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती है।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पदमा के नाम से जानी जाने लगती है।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है।
- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं** –यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी –

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बदरपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है। जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल सिंध, बेतवा केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ है इसके

अध्याय – 8

प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- दक्षिण अमेरिका में खनिजों का प्रमुख भंडार क्षेत्र पैंटागोनिया का पठार है।
- प्रथ्वी के भू-गर्भ में सबसे अधिक निकेल (Ni) धातु पाई जाती है तथा उसके बाद लोहे (Fe) का स्थान है।
- डोनबास क्षेत्र कोयले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- जापान कोबाल्ट अयस्क के उत्पादन में आत्मनिर्भर है।
- रुकवा झील क्षेत्र (तंज़ानिया) कोयला खनिज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- अफ्रीका का सर्वाधिक ताँबा उत्पादक देश जाम्बिया है।
- हीरा (diamond) का सबसे बड़ा उत्पादक देश रूस है।
- विश्व में चाँदी (sliver) का सबसे बड़ा उत्पादक देश मेक्सिको है।
- विश्व में बॉक्साइट (bauxite) का सबसे बड़ा उत्पादक देश ऑस्ट्रेलिया है।
- विश्व में टाइटेनियम (titanium) का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है।
- विश्व में सबसे अधिक एल्युमिनियम (aluminium) उत्पादक देश चीन है।
- जोहान्सबर्ग स्वर्ण खनन हेतु प्रसिद्ध है।

प्रमुख खनिज उत्पादक शीर्ष राष्ट्र

खनिज	शीर्ष उत्पादक राष्ट्र
एल्युमिनियम	चीन, रूस, भारत
बॉक्साइट	ऑस्ट्रेलिया, चीन, गुयाना
क्रोमाइट	दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, कजाखस्तान
कोयला	चीन, भारत, सयुक्त राज्य अमेरिका
कोबोल्ट	कांगो प्र.गण, केलेडोनिया, चीन
ताबा	चिली, पेरू,चीन
हीरा	रूस, बोत्स्वाना,कनाडा
स्वर्ण	चीन, ऑस्ट्रेलिया, रूस
ग्रेफाइट	चीन, भारत, ब्राजील
जिप्सम	चीन, ईरान, थाईलेंड
लोह अयस्क	चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील
जस्ता	चीन, पेरू, ऑस्ट्रेलिया
मैंगनीज अयस्क	दक्षिण अफ्रीका, चीन, ऑस्ट्रेलिया
अभ्रक	ब्राजील, चीन, तुर्की
निकेल	कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, चीन
चाँदी	मेक्सिको, पेरू, चीन
टंग्स्टन	चीन, वियतनाम, रूस
सीसा	चीन, ऑस्ट्रेलिया, पेरू
प्लैटिनम	दक्षिण अफ्रीका, रूस, जिम्बाब्वे
मलिब्डेनम	चीन, सयुक्त राज्य अमेरिका, चिली

- **थोरियम भंडारक शीर्ष राष्ट्र**

क्र.स.	उत्पादक राष्ट्र	भंडारक राष्ट्र
प्रथम	सयुक्त राज्य अमेरिका	वेनेजुअला
द्वितीय	सउदी अरब	सऊदी अरब
तर्तीय	रूस	कनाडा

क्रम	भण्डारक राष्ट्र	भण्डार(टन में)
प्रथम	भारत	963,000
द्वितीय	सयुक्त राज्य अमेरिका	440,000
तर्तीय	ऑस्ट्रेलिया	300,000

- **परमाणु ऊर्जा के दो मुख्य खनिज थोरियम और युरेनियम हैं।**
- **पेट्रोलियम के प्रमुख खनन केंद्र**

सं.रा. अमेरिका	अप्लेशियन क्षेत्र, गल्फ तटीय क्षेत्र, कैलीफोर्निया
सउदी अरब	दम्माम, घावर व धहरान
कुवैत	बुरघान पहाड़ी (विश्व का वृहत्तम संचित भंडार
ईरान	लाली, करमशाह, न्फ्त सफिद, हप्त केल
पूर्व सोवियत संघ	वोल्गा-यूराल क्षेत्र, बाकू क्षेत्र
इराक	किर्कुक, मोसुल, बसरा, तिकरित

- पेट्रोलियम के नियतिक की मात्रा के आधार पर देशों का अवरोही क्रम है – सउदी अरब,रूस एवं ईराक
- बाकू क्षेत्र पेट्रोलियम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

कच्चे तेल के शीर्ष उत्पादक एवं भंडारक राष्ट्र

- विश्व का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार (certified oil reserve) वेनेजुएला में स्थित है।
- विश्व के तीन सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों देश हैं – संयुक्त राज्य अमेरिका, सउदी अरब एवं रूस
- दक्षिण-पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक देश इंडोनेशिया है।
- गैसोहाल(gasohol) का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता ब्राजील देश है।

विश्व के शीर्ष 3 युरेनियम उत्पादक राष्ट्र

क्रम	उत्पादक राष्ट्र	उत्पादन (टन में)
1	कजखसतान	23,800
2	कनाडा	13,325
3	ऑस्ट्रेलिया	5,672

जर्मनी

प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
डॉर्टमंड	लौह-इस्पात व रसायन
फ्रैंकफुर्त	इंजीनियरिंग नियरिंग व परिवहन

रूस

प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
मास्को व गोर्की	लौह-इस्पात व रसायन
मैग्नेटोगोस्	लौह-इस्पात व तेलशोधन
लेनिनग्राद (सेंट पीटर्सबर्ग)	वस्त्र, रसायन, कागज
मास्को-इवानोवो (रूस का मानचेस्टर)	सूती वस्त्र उद्योग
यूक्रेन - क्रिवॉयराग-रोस्तोगो	इस्पात व भारी मशीनरी
नीदरलैंड - रॉटरडम मेरिन	इंजीनियरिंग नियरिंग व जलपोत निर्माण
एम्सटर्डम	हीरा पॉलिश
बेल्जियम : एंटवर्प	हीरा प्रसंस्करण
डेनमार्क -कोपेनहेगेन	डेयरी उद्योग

इटली	
मिलान (मुख्य औद्योगिक क्षेत्र)	रेशमी वस्त्र,
तूरीन (इटली का डेट्रायट)	मोटरकार
स्वीडन स्टॉकहोम (मुख्य औद्योगिक क्षेत्र)	जलपोत निर्माण

ब्राजील

प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
साओपोलो	वस्त्र उद्योग व कॉफी उद्योग
रियो डि जेनेरियो	वस्त्र उद्योग व कॉफी उद्योग
अर्जेन्टिना ब्यूनस आयर्स	जलपोत निर्माण
लाप्लाटा	एयरक्राफ्ट, रसायन व लौह-इस्पात
चिली वालपरेजो	तेलशोधन, पेट्रोकेमिकल्स, शराब उद्योग
सेंटियागो	शराब उद्योग
वेनेजुऐला का मराकैबो	तेलशोधन उद्योग
मोरक्को - कासाब्लांका	रसायन उद्योग

मिस्र

काहिरा व सिकन्दरिया सूती वस्त्र

जापान

प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
नमोया (जापान का डेट्रायट)	एयरक्राफ्ट, कार, मशीनरी
ओसाका (जापान का मानचेस्टर)	जलपोत, लौह-इस्पात, वस्त्र
कोबे व क्योटो	जलपोत, लौह-इस्पात, वस्त्र
नागासाकी	लौह-इस्पात, जलपोत, मशीन
टोकियो व नागासाकी	जलपोत, इंजीनियरिंग नियरिंग, वस्त्र
प्रवाटा (जापान का पिट्सबर्ग)	जलपोत, इंजीनियरिंग नियरिंग, वस्त्र

चीन

प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
चीन	वस्त्र व मशीन
शंघाई	वस्त्र, मशीन, जलपोत व लौह-इस्पात
वुहान	वस्त्र, मशीन
अन्शन-मुकदेन (चीन का पिट्सबर्ग)	लौह-इस्पात
बीजिंग	वस्त्र व मशीन

क्र.	खनिज	पहला स्थान
1.	लोहा (Iron)	चीन
2.	ताँबा (Copper)	चिली
3.	मैंगनीज (Manganese)	दक्षिण अफ्रीका
4.	बॉक्साइट (Bauxite)	आस्ट्रेलिया
5.	जस्ता (Zinc)	चीन
6.	सोना (Gold)	चीन
7.	चाँदी (Silver)	मेक्सिको
8.	कोयला (Coal)	चीन
9.	यूरेनियम (Uranium)	कजाकिस्तान
10.	खनिज तेल (Mineral Oil)	सऊदी अरब

- ***एशिया की प्रमुख नदियां***

नाम	संबंधित देश	विशेषताएं
आमू दरिया	अफगानिस्तान, तजाकिस्ता, तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान	○ उद्गम स्थान - पामीर पर्वतीय क्षेत्र • अर्ध शुष्क क्षेत्र में बहती है
सीर-दार्या	कजाकिस्तान, किर्गिस्तान तजाकिस्तान,	• मुहाना-अरल सागर में

	उज़्बेकिस्तान	
चाओ-फ्राया नदी	थाईलैंड की प्रमुख नदी	○ मुहाना-थाईलैंड की खाड़ी • इसका बेसिन चावल उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। • इसके मुहाने पर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक
टिगरिस नदी एवं यूफ्रेट्स नदी	तुर्की, इराक, सीरिया	○ उद्गम स्थान-टॉरस पर्वत (टर्की) • यह बेसिन खजूर उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है • इन नदियों को क्रमशः दजला और फरात नाम से भी जाना जाता है।
येलो रिवर (ह्वागहों)	चीन	○ उद्गम स्थान - कुनलून पर्वत ○ मुहाना - पो हाई की खाड़ी (येलो सागर) ○ अपने कटाव व बाढ़ के लिए प्रसिद्ध यह नदी 'चीन का शोक' कहलाती है। • पीले रंग के लोयस निर्मित मैदान से प्रवाहित होती है इसके कारण यह अत्यधिक मात्रा में सिल्ट का निक्षेप करती है।
यांग्त्सिंक् यांग नदी	चीन	○ मुहाना - पूर्वी चीन सागर ○ एशिया की सबसे लंबी नदी ○ इसी नदी के तट पर शंघाई एवं बुहान शहर स्थित है। • इस नदी पर 'थ्री गोर्ज डैम' स्थित है।
इरावदी नदी	म्यांमार की प्रमुख नदी	○ उद्गम स्थान- माली और नामी नदी का संगम ○ मुहाना - अंडमान सागर • इसके डेल्टाई क्षेत्र पर म्यांमार का यांगून शहर स्थित है।
सालवीन नदी	म्यांमार की प्रमुख नदी	○ उद्गम स्थान - चीन (तिब्बत का पठार) ○ मुहाना - अंडमान सागर
		• यह म्यांमार की सबसे लंबी नदी है।
मेकांग नदी	चीन,थाईलैंड - लाओस,कंबोडिया, वियतनाम (प्राकृतिक सीमा - म्यांमार लाओस तथा थाईलैंड लाओस)	○ उद्गम स्थान - तिब्बत का पठार ○ मुहाना - दक्षिणी चीन सागर ○ इस नदी के किनारे कंबोडिया की राजधानी 'नॉमपेन्ह' स्थित है। • विश्व में अमेजन नदी के बाद दूसरे स्थान पर सर्वाधिक जैव विविधता वाला बेसिन है।
जॉर्डन नदी	इजरायल व जॉर्डन	• मुहाना - मृत सागर में
लीना नदी	रूस	• मुहाना - आर्कटिक सागर (लॉपटेब सागर)
ओब नदी	रूस	• मुहाना - कारा सागर (आर्कटिक सागर)
येनेसी नदी	रूस	• मुहाना - कारा सागर (आर्कटिक सागर)
अमूर नदी	रूस, चीन	• मुहाना - ओखोत्स्क सागर(प्रशांत महासागर)
सिक्यांग नदी	चीन	○ मुहाना दक्षिण चीन सागर ○ डेल्टाई क्षेत्र में रेशम उत्पादन किया जाता है। • इस के मुहाने पर चीन के 'हांगकांग' व 'ग्वांगझाउ' शहर स्थित है।
ब्रह्मपुत्र नदी	चीन , भारत , बांग्लादेश	○ उद्गम स्थान - चेमयुंगडुंग ग्लेशियर ○ मुहाना - बंगाल की खाड़ी ○ तिब्बत (चीन) में इसे 'यारलूंग- सांगपो' तथा बांग्लादेश में 'पद्मा' के नाम से जाना जाता है। ○ दिबांग व लोहित प्रमुख सहायक नदियां हैं। • बांग्लादेश में तीस्ता नदी इससे मिलती है।

अध्याय – 5

मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल

राजनीतिक इतिहास

- शासन काल चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से द्वितीय शताब्दी ई.पू. तक (321-185 ई.पू)
- स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा आचार्य चाणक्य (विष्णुगुप्त) के सहयोग से। (मगध में) की।
- मौर्य शासन से पहले मगध पर नंद वंश के शासक धनानन्द का शासन था।
- मौर्य राजवंश ने लगभग 137 वर्ष तक भारत में राज किया।
- राजधानी पाटलिपुत्र (पटना)
- साम्राज्य 52 लाख वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ था।

आचार्य चाणक्य

- जन्म तक्षशिला में (आचार्य)
- अन्य नाम विष्णुगुप्त, कौटिल्य
- चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री तथा प्रधान पुरोहित आचार्य चाणक्य थे।
- पुराणों में चाणक्य को "द्विजर्षभ" कहा गया है जिसका मतलब है श्रेष्ठ ब्राह्मण
- चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद भी बिन्दुसार के समय भी प्रधानमंत्री बना रहा (कुछ समय के लिए)
- चाणक्य तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य रहे थे।
- इन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की।
- अर्थशास्त्र मौर्यकालीन साम्राज्य की राजव्यवस्था एवं शासन प्रणाली पर प्रकाश डालता है।
- अर्थशास्त्र में 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण हैं।

चन्द्रगुप्त मौर्य (321 – 298 ई.पू.)

- चन्द्रगुप्त मौर्य 321 ई.पू. धनानन्द को हरा कर मगध का शासक बना।
- इसने सिकन्दर के उत्तराधिकारी सेल्यूकस को भी हराया था।
- सेल्यूकस की पुत्री हेलन का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ हुआ।
- उपाधियाँ - पाटलिपुत्रक (पालिब्रोथस)
- भारत का मुक्तिदाता
- प्रथम भारतीय साम्राज्य का संस्थापक

मेगस्थनीज

- मेगस्थनीज सेल्यूकस 'निकेटर' का राजदूत था।
- मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त के शासन काल में पाटलिपुत्र में कई वर्षों तक रुका।
- इसने 'इंडिका' नामक पुस्तक की रचना की जिससे मौर्यकालीन शासन व्यवस्था की जानकारी मिलती है।
- मेगस्थनीज भारत आने वाला प्रथम राजदूत था।
- जस्टिन-चन्द्रगुप्त की सेना को डाकुओं का गिरोह कहते हैं।
- यूनानियों ने चन्द्रगुप्त को सेंड्रोकोट्स नाम दिया।
- चन्द्रगुप्त जैन धर्म का अनुयायी था।
- चन्द्रगुप्त के संरक्षण में प्रथम जैन संगीति पाटलिपुत्र में हुई थी।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना शासन अपने पुत्र बिन्दुसार को सौंप दिया था।
- फिर वह अपने गुरु भद्रबाहु के साथ श्रवणबेलगोला (मैसूर) चला गया।
- वहां पर उसने संलेखना विधि (अन्न-जल त्याग) द्वारा मृत्यु (297/298 ई.पू.) को प्राप्त किया।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए वृषल उपनाम मुद्राराक्षस नामक ग्रन्थ में मिलता है।
- 'वृषल' शब्द का अर्थ है निम्न कुल। चन्द्रगुप्त मौर्य को ब्राह्मण साहित्य में क्षुद्र कुल, बौद्ध एवं जैन ग्रन्थ में क्षत्रिय कुल तथा रोमिला थापर ने वैश्य कुल में उत्पन्न माना है।

बिन्दुसार 298 – 273 ई.पू.

- अन्य नाम अमित्रघात था।
- इसने अपने साम्राज्य को सुरक्षित रखने में सफलता प्राप्त की।
- सीरिया के शासक एंटियोकस ने डायमेकस को बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।
- बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी था।
- जैन ग्रन्थों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया है।

अशोक महान

- अशोक अपने पिता बिन्दुसार के शासन काल में प्रान्तीय प्रशासक (उज्जयनी) के पद पर था।
- प्राचीन भारतीय इतिहास का सर्वाधिक प्रसिद्ध सम्राट सम्राट अशोक था।
- सर्वाधिक अभिलेखीय प्रमाण इसी के काल के मिलते हैं।
- अभिलेखों में अशोक का नाम देवानाम प्रियदर्शी लिखा मिलता है।
- सर्वप्रथम मास्की लेख में अशोक का नाम पढ़ा गया।
- अशोक महान ने श्रीनगर की स्थापना की।
- अशोक अपने प्रारम्भिक जीवन में भगवान शिव का उपासक था।

कलिंग युद्ध

- मगध के पड़ोस में कलिंग शक्तिशाली राज्य था।
- अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष में 261 ई.पू. में अशोक ने कलिंग के साथ युद्ध किया था।
- यह सूचना अशोक के 13वें बड़े शिलालेख से मिलती है।
- कलिंग विजय के नरसंहार से सम्राट अशोक ने कभी युद्ध न करने का फैसला किया।
- अशोक महान ने अभिलेखों के माध्यम से राज्य की प्रजा को अपने संदेश पहुँचाये।
- अभिलेखों की भाषा
- प्राकृत (अधिकांश इसी भाषा में।)
- यूनानी

- अरामाइक
- अशोक के अभिलेख को सर्वप्रथम 1837 में जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा था।
- अशोक के वृहद शिलालेख (पहाड़ियों पर) 1 से 14 तक थे।
- अशोक के प्रथम वृहद शिलालेख में पशु हत्या को निषेध बताया है।
- इसका 12वाँ शिलालेख धार्मिक सहिष्णुता को दर्शाता है।
- अशोक बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
- इसके शासन काल में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में हुआ।
- अशोक महान द्वारा प्रचारित की गई नीतिगत शिक्षा को अशोक का धम्म कहा गया।
- अशोक द्वारा धर्म प्रचार के लिए भेजे गये प्रचारक -
  सोन एवं उत्तरा- स्वर्णभूमि में
  महेन्द्र एवं संघमित्रा- श्रीलंका

महारक्षित - यवन प्रदेश
रक्षित - वनवासी (उ. कनाडा)

अशोक के बाद मौर्य राज्य

पश्चिमी क्षेत्र	**पूर्वी क्षेत्र**
राजधानी - उज्जैन	राजधानी - पाटलिपुत्र

- वृहद्रथ अन्तिम मौर्य शासक था।
- 185 ई.पू. में इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने वृहद्रथ की हत्या कर दी। मौर्य साम्राज्य का पतन हो गया।

मौर्य कालीन प्रशासन

संरचना

केंद्र	**राजा**
प्रान्त	युवराज
मण्डल	मंत्रिनी|मंत्रिण
स्थानीय	मंत्रिपरिषद्
द्रोणमुख	नौकरशाही
खार्वटिक	नगर प्रशासन
संग्रहण	राजस्व प्रशासन
ग्राम	सैन्य प्रशासन
न्याय प्रशासन	
गुप्तचर व्यवस्था	

केंद्र

राजा - समस्त व्यवस्था का केन्द्र बिन्दु था।
कार्यपालिका
विधानपालिका
न्यायपालिका

- कौटिल्य के अनुसार राजा सप्तांग सिद्धान्त का केन्द्र बिन्दु है।
  1.दुर्ग 2. अमात्य 3. मित्र 4. राजा 5. जनपद 6. कोष 7. सेना
- मेगस्थनीज के अनुसार राजा महिला अंगरक्षकों से घिरा होता है।
- राजा में दैवीय उत्पति का सिद्धान्त लागू नहीं होता था। यद्यपि अशोक ने देवानाम प्रियदर्शी की उपाधि ली थी।
- राजा-प्रजा के मध्य पिता-पुत्र का सम्बन्ध होता था।
- कौटिल्य के अनुसार दिन को 8-8 घण्टों में विभक्त करना चाहिए जिसमें राजा को 16 घण्टे काम करना चाहिए।

मंत्रिण

- यह आधुनिक कैबिनेट के समान होती थी जिसमें 4-5 लोग होते थे। एक प्रकार से यह कोर कमेटी थी।
- सदस्य

1. राजा
2. प्रधानमंत्री | पुरोहित
3. युवराज- राज्य का उत्तराधिकारी
4. सेनानी
5. सन्निधाता (कोषाध्यक्ष)

- वेतन - 48000 पण (चाँदी का सिक्का)
- कार्य - महत्त्वपूर्ण कार्य में सलाह
- चयन हेतू शर्ते -

  उपधा-परिक्षण मंत्रिण सदस्य के चयन हेतु परीक्षा

मंत्रिपरिषद्

- यह एक विस्तृत इकाई थी।
- अन्य नाम - मंत्रिपरिषद् (अर्थशास्त्र)
  परिषा (अशोक के अभिलेख में) सुनेड्राई (इंडिका में)
- मंत्रिपरिषद् में 18 तीर्थ (विभाग) होते थे।
- महाभात - उच्च श्रेणी के अमात्य
- वेतन 10000 पण वार्षिक

18 तीर्थ -

1. प्रधानमंत्री | पुरोहित
   चाणक्य- चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री
   चाणक्य + खल्लाटक- बिन्दुसार के प्रधानमंत्री
   राधागुप्त - अशोक का प्रधानमंत्री
2. युवराज - राज्य का उत्तराधिकारी
3. समाहर्ता - राजस्व विभाग एवं कर निर्धारण का सर्वोच्च अधिकारी
   वितीय वर्ष (354 दिन) जुलाई आषाढ़ से प्रारम्भ
4. सन्निधाता- राजकीय कोषाध्यक्ष
5. प्रदेष्टा - फौजदारी न्यायालय का प्रमुख
6. व्यावहारिक - दीवानी न्यायालय का प्रमुख।
7. कर्मान्तिक - उद्योग धन्धों का प्रमुख
8. अन्तपाल - सीमावर्ती दुर्गों का प्रमुख
9. दुर्गपाल - आन्तरिक दुर्गों का प्रमुख
10. आटविक - वन विभाग का प्रधान अधिकारी
11. अन्तर्वंशिक - सम्राट की अंगरक्षक सेना का प्रधान अधिकारी
12. दौवारिक - राजमहलों की देख-रेख करने वाला प्रधान अधिकारी

- ब्रिटेन के लेबर पार्टी के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने भारत को जून 1948 ई. के पहले स्वतंत्र करने की घोषणा की।

लॉर्ड माउंटबेटन मार्च -अगस्त 1947-1948):-

- माउंटबेटन योजना।
- भारत का विभाजन।
- स्वतंत्रता की प्राप्ति।

Do You know:-

- बंगाल का प्रथम गवर्नर-रॉबर्ट क्लाइव
- बंगाल का अंतिम गवर्नर-वारेन हेस्टिंग्स
- बंगाल का प्रथम गवर्नर-जनरल -वारेन हेस्टिंग्स
- बंगाल का अंतिम गवर्नर-जनरल -विलियम बैंटिक
- भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल -विलियम बैंटिक
- भारत का अंतिम गवर्नर-जनरल -लॉर्ड कैनिंग
- भारत के प्रथम वायसराय -लॉर्ड कैनिंग
- भारत के अंतिम वायसराय -लॉर्ड माउंटबेटन
- स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल -लॉर्ड मउंटबेटन
- भारत का प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल-सी. राजगपालचारी

Note :-

- 1858 से भारत के गवर्नर-जनरल को गवर्नर-जनरल तथा वयसराय दोनों नामों से जाना जाने लगा।

अध्याय – 4

1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन

राजनीतिक – धार्मिक आंदोलन

फकीर विद्रोह (1776–77)

- यह विद्रोह बंगाल में विचरणशील मुसलमान धार्मिक फकीरों द्वारा किया गया था।
- इस विद्रोह के नेता मजनू शाह ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देते हुए जमीदारों और किसानों से धन इक्कठा करना आरम्भ कर दिया।
- मजनू शाह की मृत्यु के बाद चिराग अली शाह ने आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

सन्यासी विद्रोह (1770 – 1820)

- संन्यासी विद्रोह भारत की आज़ादी के लिए बंगाल में अंग्रेज़ हुकूमत के विरुद्ध किया गया एक प्रबल विद्रोह था।
- संन्यासियों में अधिकांश शंकराचार्य के अनुयायी थे।
- इतिहास प्रसिद्ध इस विद्रोह की स्पष्ट जानकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' में मिलती है।

पागलपंथी विद्रोह (1813 - 33)

- उत्तर पूर्वी भारत में प्रभावी पागलपंथी एक धार्मिक पंथ था।
- उत्तर पर्वी क्षेत्र में हिन्दू मुसलमान और गारो तथा जांग आदिवासी इस पंथ के समर्थक थे।
- इस क्षेत्र में अंग्रेजों द्वारा क्रियान्वित भू-राजस्व तथा प्रशासनिक व्यवस्था के कारण व्यापक असंतोष था।
- इस विद्रोह को 1833 ई. में दबा दिया गया।

वहाबी आंदोलन (1820 – 70)

- वहाबी आंदोलन मूलतः एक इस्लामिक सुधारवादी आंदोलन था। जिसने कालांतर में मुस्लिम समाज में व्याप्त अन्धविश्वास एवं कुरुतियों के उन्मूलन को अपना उद्देश्य बनाया।
- इस आंदोलन के संस्थापक अब्दुल वहाबी के नाम पर इसका नाम वहाबी आंदोलन पड़ा।
- सैयद अहमद बरेलवी ने भारत में इस आंदोलन को प्रेरणा प्रदान की

कूकाविद्रोह

- कूका विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- पश्चिमी पंजाब में 'कूका विद्रोह' की शुरुआत लगभग 1840 ई. में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गयी थी।
- भगत जवाहर मल को 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था।
- 1872 ई. में इसके एक नेता 'रामसिंह' को रंगून निर्वासित कर दिया और आंदोलन पर नियंत्रण पा लिया गया।

समोसी विद्रोह

- समोसी मराठा राज्य के अधीनस्थ कर्मचारी थे। अत्यधिक लगान वसूली के कारण 1822 में उन्होंने विद्रोह कर दिया।

गडकरी विद्रोह

- गडकरी विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ किया गया था।
- 1844 ई. में महाराष्ट्र में 'गड़करी जाति' के विस्थापित सैनिकों ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध इस विद्रोह को अंजाम दिया।

सावंतवादी विद्रोह

- प्रवासीवादी विद्रोह: प्रवासीवादी विद्रोह भारतीयों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ शुरू किया गया था।
- प्रवासीवादी विद्रोह 1844 में हुआ था।
- प्रवासीवादी विद्रोह का नेतृत्व मराठा सरदार फोन्ड सावन्त ने किया था।

मुंडा एवं हो विद्रोह (1820-22)

कोल विद्रोह (1831)

- 1831 में छोटा नागपुर में यह कोल विद्रोह हुआ
- इस विद्रोह का प्रमुख कारण कोल आदिवासियों की जमीन छीनकर मुस्लिम और सिख संप्रदाय के किसानों को दे दी इस विद्रोह में गंगा नारायण और बुद्धो भगत ने भूमिका निभाई।
- यह विद्रोह मुख्य रूप से रांची हजारीबाग पलामू मानभूम और सिंह भूमि क्षेत्र में फैला।

संथाल विद्रोह (1855)

- सन् 1855 ईस्वी में जमींदार और साहूकारों के अत्याचार और भूमि कर अधिकारियों के दमनात्मक व्यवहार के प्रति सिद्धू एवं कान्हू के नेतृत्व में राजमहल एवं भागलपुर के संस्थान आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया।

चुआर विद्रोह (1798)

- दुर्जन सिंह तथा जगन्नाथ के नेतृत्व में बंगाल के मिदनापुर जिले में 1798 ईस्वी में यह विद्रोह हुआ।
- इस विद्रोह का मुख्य कारण भूमि कर एवं अकाल के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट था इस विद्रोह में यह विद्रोह रुक रुक कर 30 वर्षों तक चला।

खासी विद्रोह

- भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जब अंग्रेजों ने खासी की पहाड़ियों से लेकर सिलहट के बीच सड़क मार्ग बनाना प्रारंभ किया तो स्थानीय लोगों ने इसे ब्रिटिश राज्य का उनकी स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप मानते हुए विद्रोह किया।

अहोम आदिवासी विद्रोह (1828)

- यह ब्रिटिश सरकार ने 1828 ईस्वी में असम राज्य के अहोम प्रदेश को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का प्रयत्न किया तो अहोम आदिवासियों ने गोमधर कुंवर के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया

फरायजी विद्रोह (1838)

- बंगाल के फरीदपुर नामक स्थान पर फरायजी संप्रदाय के अनुमोदन पर शरीयातुल्ला ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया

पश्चिम भारत के प्रमुख आदिवासी विद्रोह

भील विद्रोह (1818)

- 1818 में भील विद्रोह का प्रारंभ हुआ यह भारत के पश्चिमी क्षेत्र में हुआ।
- इस विद्रोह का मुख्य कारण कृषि से संबंधित परेशानियां और अंग्रेजों द्वारा लगाए जाने वाले टैक्स थे।
- 1825 ईस्वी में सेवाराम के नेतृत्व में भीलों ने पुनः विद्रोह किया कार 1846 ई. तक भील विद्रोह चलता रहा,
- भील विद्रोह को भड़काने का आरोप ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेशवा बाजीराव द्वितीय और त्र्यंबक जी पर लगा दिया।

बघेरा विद्रोह

- यह विद्रोह ओखा मंडल के बघेरा लोगों द्वारा सन् 1818 से 1819 ई. तक बड़ौदा की गायकवाड़ राजा द्वारा किया गया

किट्टूर विद्रोह

- किट्टूर के स्थानीय शासक की विधवा रानी चेन्नमा ने किया क्योंकि अंग्रेजों ने राजा के दत्तक पुत्र को मान्यता नहीं दी
- यद्यपि ब्रिटिश सरकार ने दमनात्मक कार्यवाही द्वारा इस विद्रोह को दबा दिया यह विद्रोह 1824 से 1829 ईस्वी तक चला

कच्छ विद्रोह (1819)

- कच्छ के राजा भारमल को अंग्रेजों द्वारा शासन से बेदखल करना कच्छ विद्रोह का मुख्य कारण था।
- अंग्रेजों ने कच्छ के अल्प वयस्क पुत्र को वहां का शासक बना दिया और भू - कर में वृद्धि कर दी इसका विरोध स्वरूप भारमल और उसके समर्थकों ने 1819 में यह विद्रोह शुरू कर दिया

भारत के अन्य प्रमुख विद्रोह

पॉलीगार विद्रोह 1801

- तमिलनाडु में नई भूमि व्यवस्था लागू करने के बाद ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सन् 1801 ईस्वी में वहां के स्थानीय पॉली वालों ने वीपी कट्टा बामन्नान के नेतृत्व में विद्रोह किया गया और यह विद्रोह 1856 ईस्वी तक चला।

पाइक विद्रोह (1817)

- मध्य उड़ीसा में पाइक जनजाति द्वारा सन् 1817 ईस्वी से 1825 ईस्वी तक यह विद्रोह किया इस विद्रोह के नेतृत्व कर्ता बख्शीजग बंधु ने किया

सूरत का नमक विद्रोह (1817)

- अंग्रेजों द्वारा नमक के कर में 50 पैसे की वृद्धि करने पर इसका विरोध करने के लिए 1844 ईस्वी में सूरत के स्थानीय लोगों ने यह विद्रोह किया इस विद्रोह के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों ने बढ़ाए नमक करों को वापस ले लिया

नागा विद्रोह(1931)

- नागा विद्रोह रोगमइ जदोनांग के नेतृत्व में भारत के पूर्वी राज्य नागालैंड में हुआ।
- नाग आंदोलन का मुख्य उद्देश्य नागा राज्य की स्थापना करके प्राचीन धर्म को स्थापित करना था इस आंदोलन

अध्याय – 9

भारतीय संसद (विधायिका)

(art. 79-123)

संघीय विधानमंडल (संसद)

- भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संसद के तीन अंग होते हैं - राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
- भारतीय संसद की संप्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है।
- संसद में स्थगन प्रस्ताव (adjournment motion) लाने का उद्देश्य सार्वजनकि महत्व के अति आवश्यक मुद्दों पर बहस करना है।

संसद से सम्बंधित अनुच्छेद	
अनु.	**सम्बंधित विषय – वस्तु**
79	संसद का गठन
80	राज्य सभा की सरंचना
81	लोक सभा की सरंचना
82	प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
85	संसद के सत्र सत्रावसान एवं विघटन
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित तथा उनको संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष सम्बोधन अभिभाषण
88	सदनों के सम्बंध में मंत्रियों और महान्यायवादी के अधिकार
89	राज्य सभा का सभापति तथा उपसभापति
90	राज्य सभा के उपसभापति के पद की रिक्ति, त्याग तथा पद से हटाया जाना।
91	सभापति के कर्तव्यों के निर्वहन अथवा सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति अथवा अन्य व्यक्ति की शक्ति
92	जब राज्य सभा के सभापति अथवा उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना
93	लोक सभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
94	लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा पद से हटाया जाना
95	लोक सभा उपाध्यक्ष अथवा किसी अन्य व्यक्ति का लोक सभा अध्यक्ष के कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति
96	जब लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना।
97	सभापति व उपसभापति तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के वेतन-भत्ते
98	संसद का सचिवालय
99	सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
100	दोनों सदनों में मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति तथा गणपूर्ति
101	स्थानों का रिक्त होना
102	संसद की सदस्यता के लिए निरर्हताएं
103	सदस्यों की अयोग्यता से सम्बंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	अनु. 99 के अंतर्गत शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले अर्हत न होते अथवा निरर्हत किए जाने पर भी सदन में बैठने तथा मतदान करने पर दंड।

लोकसभा (art-81)

- लोकसभा को निम्न सदन / प्रथम सदन / अस्थाई सदन / लोकप्रिय सदन कहते हैं।
- प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था।
- अनच्छेद 81 तथा 331 लोकसभा के गठन से संबंधित है।
- लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।
- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।

- **लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं :-**
  - वह भारत का नागरिक हो।
  - उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो।
  - वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो)
  - वह पागल। दिवालिया न हो।
- लोकसभा - अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है,
- किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।

- लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।
- लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।
- लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।
- क्योंकि लोकसभा के दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।
- आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।
- लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार होना चाहिए
- अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन, राज्यसभा एवं लोकसभा को आहुत करने, उनका सत्रावसान करने तथा लोकसभा का विघटन करने का अधिकार प्राप्त है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोकसभा की सभी कार्यवाहियों का संचालन करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति निश्चित करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।
- लोकसभा अध्यक्ष को कार्यकारी अध्यक्ष शपथ ग्रहण कराता है।
- आगामी लोकसभा चुनाव के गठन के बाद उसके प्रथम अधिवेशन की प्रथम बैठक तक अपने पद पर बना रहता है। लोकसभाध्यक्ष उपाध्यक्ष को अपना त्यागपत्र दे देता है।

राज्यों में लोकसभा सदस्यों की संख्या

1. उत्तर प्रदेश	80
2. महाराष्ट्र	48
3. पश्चिम बंगाल	42
4. बिहार	40
5. तमिलनाडु	39
6. मध्य प्रदेश	29
7. कर्नाटक	28
8. गुजरात	26
9. राजस्थान	25
10. आंध्र प्रदेश	25
11. ओडिशा	21
12. केरल	20
13. तेलंगाना	17
14. असम	14
15. झारखण्ड	14
16. पंजाब	13
17. छत्तीसगढ़	11
18. हरियाणा	10
19. उत्तराखण्ड	5
20. हिमाचल प्रदेश	4
21. अरुणाचल प्रदेश	2
22. गोवा	2
23. मणिपुर	2
24. मेघालय	2
25. त्रिपुरा	2
26. मिजोरम	1
27. नागालैंड	1
28. सिक्किम	1

केन्द्रशासित प्रदेशलोकसभा सदस्यों की संख्या

1. दिल्ली	7
2. अंडमान निकोबार	1
3. चण्डीगढ़	1
4. दादरा / नागर हवेली / दमन एवं दीव	1
5. लक्षद्वीप	1
6. पुदुचेरी	1
7. लद्दाख	1
8. जम्मू और कश्मीर	5

राज्यसभा (art-80)

- राज्यसभा को उच्च सदन ।द्वितीय सदन ।स्थायी सदन । संघीय सदन भी कहा जाता है ।
- राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है ।
- यह एक स्थाई सदन है और कभी भंग नहीं होता
- किन्तु इसके 1/3 सदस्य प्रति दो वर्ष के बाद स्थान खाली कर देते हैं, जिनकी पूर्ति नए सदस्यों से होती है।
- भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।
- राज्यसभा में अधिक-से-अधिक 250 सदस्य हो सकते हैं। इनमें 238 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। ये 12 सदस्य ऐसे होते हैं जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला सामजिक सेवा इत्यादि का विशेष ज्ञान होता है।
- राज्यसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 245 में, राज्यों से 233 तथा राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत 12 सदस्य होते हैं।
- **राज्यों के प्रतिनिधि** - सदस्यों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रीति से होता है। राज्यों के प्रतिनिधि अपने राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा निर्वाचित होते हैं। यह

विविध

महत्वपूर्ण दिवस

जनवरी	तिथि
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	शहीद दिवस
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**तिथि**
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	1 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मानव भ्रातृत्व दिवस	4 फरवरी
International day of Zero tolerance for female genital mutilation	6 फरवरी
International Epilepsy Day	8 फरवरी
सुरक्षित इंटरनेट दिवस	9 फरवरी
विश्व दाल दिवस	10 फरवरी
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	10 फरवरी
विज्ञान में बालिकाओं तथा महिलाओं का दिवस	11 फरवरी
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस	12 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस	15 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
विश्व पैंगोलिन दिवस	20 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
World thinking day	22 फरवरी
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस	24 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
विश्व एनजीओ दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
दुर्लभ रोग दिवस	28 फरवरी
मार्च	**तिथि**
विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस	1 मार्च
कर्मचारी प्रशंसा दिवस	2 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
जनऔषधि दिवस	7 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
CISF स्थापना दिवस	10 मार्च

साहित्य अकादमी पुरस्कार

पुस्तकें	लेखक	वर्ष
हजार चौरासी की माँ	महाश्वेता देवी	1996
इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त	2007
कोहरे में कैद रंग	गोविन्द मिश्रा	2008
मोहनदास	उदय प्रकाश	2010
मिजुलमन	मृदुलागर्ग	2013
हवा में हस्ताक्षर	कैलाश वाजपेयी	2009
रेहान पर एघु	काशीनाथ सिंह	2011
विनायक	डॉ.रमेशचन्द्र शाह	2014
पत्थर फेंक रहा हूँ	चन्द्रकान्त देवताले	2012

सरस्वती सम्मान

पुस्तकें	लेखक	वर्ष
कायाकल्प	लक्ष्मीनन्दन बोरा	2008
लफ्जों की दरगाह	सुरजीत पातार	2009
सुगाया कुमारी	मनालेलुथु	2012
फूल पौधों पर	गोविन्द मिश्रा	2013
इरामा कथाइयुम इरामा याकालु	ए ए मानावलन	2011
रामायण महान्वेषणम	एम.वीरप्पा मोइली	2014
मन्दरा	एस एल भयरप्पा	2010

- **भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा**

सबसे ऊँचा टी० वी० टॉवर	पीतमपुरा (नई दिल्ली)
सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
सबसे लम्बी नदी (भारत में बहने के अनुसार)	गंगा नदी
सबसे लम्बी यात्रा वाली ट्रेन (विद्युत)	राजधानी एक्सप्रेस दिल्ली से कोलकाता
सबसे लम्बी नहर	इंदिरा गाँधी नहर राजस्थान
"सबसे ऊँचा पर्वत शिखर -	गोडविन आस्टिन K-2
सबसे ऊँचा झरना	कुंचीकल (455 मी), कर्नाटक
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा, फतेहपुर सीकरी (आगरा)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार, दिल्ली
सबसे ऊँचा बाँध	भाखड़ा बाँध (सतलज नदी पर)
सबसे ऊँची मूर्ति	देवताल झील (गढ़वाल)
पर ऊँची झील	ऋषभ देव की मूर्ति (खरगोन, मध्य प्रदेश)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी
सबसे लम्बा पुल	बांद्रा-वर्ली सी-लिंक (5,600)मी. मुम्बई महाराष्ट्र
सबसे लम्बी सुरंग	अटल सुरंग (जम्मू-कश्मीर)
सबसे लम्बी सड़क	ग्रांड ट्रंक रोड़ (g.t. रोड़)
सबसे बड़ा चिड़ियाघर	जनूलोजिकल गार्डन्स, कोलकाता
सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवन डेल्टा
सबसे बड़ा गुम्बद	गोल गुम्बद, बीजापुर (कर्नाटक)
सबसे बड़ी मस्जिद	जामा मस्जिद, दिल्ली बेम्बानाद
सबसे बड़ा रेलवे पुल	(4.62 किमी), केरल
सबसे बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज, कोलकाता
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द सागर, भाखड़ा
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार (राजस्थान)
सबसे लम्बी नदी दक्षिण भारत की	गोदावरी नदी
सबसे लम्बा बाँध	हीराकुड बाँध (ओड़िशा)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य (दक्षिण भारत)	आंध्र प्रदेश
सबसे लम्बा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल के अनुसार)	राजस्थान
सबसे बड़ा राज्य (जनसंख्या के अनुसार)	उत्तर प्रदेश
सबसे बड़ा अजायबघर	कोलकाता अजायबघर
सबसे बड़ा गुफा मंदिर	कैलाश मंदिर, एलोरा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)
सबसे बड़ा कोरीडोर	रामेश्वरम् मंदिर (तमिलनाडु)
सबसे बड़ा गुरुद्वारा	स्वर्ण मंदिर, अमृतसर स्वर्ण मंदिर, अमृतसर
सबसे बड़ा गिरिजाघर	स्वर्ण मंदिर, अमृतसर
सबसे बड़ी नदी (डेल्टा न बनाने वाली)	नर्मदा व ताप्ती
सबसे बड़ा नदी द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असोम)
सबसे बड़ा तारामंडल	बिड़ला प्लेनेटोरियम (कोलकाता)
सबसे अधिक जनसंख्या वाला नगर	मुम्बई
सबसे अधिक घनी आबादी वाला राज्य	पश्चिम बंगाल

- इंग्लैण्ड मेलबर्न क्रिकेट क्लब की स्थापना 1787 ई. में हुई।
- भारत में कलकत्ता क्रिकेट क्लब की स्थापना 1792 ई. में हुई।
- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की स्थापना इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस के रूप में 1909 ई. में हुई थी, जिसे बाद में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।

राष्ट्रीय खेल- 1. इंग्लैण्ड , 2. ऑस्ट्रेलिया।

- **माप**- 1. बॉल- 155.9 ग्राम से 163 ग्राम,
- बल्ला- लम्बाई 96.5 सेमी. , चौड़ाई अधिकतम 10.8 सेमी.

2. पिच- 20.12 मीटर

○ **विश्व कप क्रिकेट** –

वर्ष	मेजबान देश	विजेता	उपविजेता
1975	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
1979	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	इंग्लैण्ड
1983	इंग्लैण्ड	भारत	वेस्टइंडीज
1987	भारत-पाक	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
1992	ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैण्ड	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड
1996	भारत-पाक-श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया
1999	इंग्लैण्ड	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
2003	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	भारत
2007	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका
2011	भारत-श्रीलंका-बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका
2015	न्यूजीलैण्ड-ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैण्ड
2019	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	न्यूजीलैण्ड
2023	India	Australia	India

हॉकी

- हॉकी के वर्तमान स्वरूप का जन्म इंग्लैण्ड में 19वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था।
- हॉकी क्लब की स्थापना 'ब्लैकहीथ' के नाम से पहले हुई थी, 1861 ई. में।
- हॉकी खेल के नियम विम्बल्डन हॉकी क्लब द्वारा बनाए गए, जिसे 1886 में हॉकी एसोसिएशन ने अपना लिया।
- हॉकी का पहला अन्तर्राष्ट्रीय मैच इंग्लैण्ड तथा आयरलैण्ड के बीच 1895 ई. में खेला गया।
- हॉकी को ओलम्पिक खेल में 1908 में शामिल किया गया।
- भारत में हॉकी का पहला क्लब 1885-86 में बना।
- भारत ने पहला ओलम्पिक हॉकी मैच 1928 में खेला था।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।
- **राष्ट्रीय खेल**- 1. भारत , 2. पाकिस्तान।
- **माप**- 1. मैदान- 100 गज × 60 गज , 2. बॉल- 5.5 औंस से 5.75 औंस तक (भार)।

○ **विश्व कप हॉकी**-

क्र. सं.	आयोजन वर्ष	आयोजन स्थल	विजेता	उपविजेता
1.	1971	बार्सीलोना	पाकिस्तान	स्पेन
2.	1973	एम्सटर्डम	हॉलैण्ड	भारत
3.	1975	कुआलालम्पुर	भारत	पाकिस्तान
4.	1978	ब्यूनस आयर्स	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
5.	1982	मुम्बई	पाकिस्तान	प. जर्मनी
6.	1986	लंदन	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
7.	1990	लाहौर	हॉलैण्ड	पाकिस्तान
8.	1994	सिडनी	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
9.	1998	यूट्रेक्ट	नीदरलैण्ड	स्पेन
10.	2002	कुआलालम्पुर	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
11.	2006	जर्मनी	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
12.	2010	नई दिल्ली	ऑस्ट्रेलिया	जर्मनी
13.	2014	द हेग	ऑस्ट्रेलिया	नीदरलैंड
14.	2018	भुवनेश्वर	बेल्जियम	नीदरलैंड
15.	2023	भुवनेश्वर और राउरकेला	-	-

फुटबॉल

- ब्रिटेन में फुटबॉल की शुरुआत रोमोनों ने की थी।
- प्राचीन रोमोनों ने फुटबॉल के खेल को अपनी सेना में शामिल किया था।
- फुटबॉल पहली सदी के आसपास चीन में खेला जाता था।
- फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की स्थापना 1904 ई. में सात यूरोपीय देशों ने मिलकर की।
- 1846 में फुटबॉल खेल के नियमों को परिभाषित करने के लिए एक आदर्श संहिता इंग्लैण्ड में बनाई गई।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - ⬇ (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp - https://wa.link/m048u8 1 web.- https://cutt.ly/g0O6SHh

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO